आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 11.04.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए 31 मई तक सभी हेलीकॉप्टर टिकटों की बुकिंग फुल, उत्तराखंड पुलिस की श्रद्धालुओं से अपील– हेली टिकट केवल अधिकृत वेबसाइट से ही बुक करें।
- अपर सचिव विजय कुमार जोगदंडे ने टिहरी जिले की कैंछू ग्राम पंचायत का भ्रमण किया, स्वयं सहायता समूहों के कार्यों को सराहा।
- 18वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला सर्किल कबड्डी प्रतियोगिता के लिए बागेश्वर जिले की दो महिला खिलाड़ियों का चयन।
- प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में ओलावृष्टि और बारिश से गेहूं, आलू और सेब की फसल को नुकसान।

हेली बुकिंग सतर्कता

केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए 31 मई तक सभी हेलीकॉप्टर टिकटों की बुकिंग पूरी तरह से भर चुकी है। इस संबंध में उत्तराखंड पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिये आमजन से अपील की है कि वे हेली टिकट केवल अधिकृत वेबसाइट heliyatra.irctc.co.in के माध्यम से ही बुक करें। पुलिस ने आगाह किया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्स ऐप पर फर्जी वेबसाइटों के ज़रिये टिकट बुक कराने के झांसे में न आएं। ऐसे फर्जीवाड़े से बचने के लिए सतर्कता बरतें और साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 नंबर पर शिकायत दर्ज करें।

चारधाम यात्रा

प्रदेश सरकार ने चारधाम यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यात्रा की व्यवस्थाओं के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ ही पर्यटन व अन्य विभाग भी सक्रियता से कार्य में जुटे हैं। यह जानकारी देते हुए पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ–सफाई और शौचालय की व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया है। रूद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी और जानकी चट्टी बैरियर से यमुनोत्री मार्ग तक स्टील फ्रेम शौचालयों की साफ सफाई व रख–रखाव के लिए निर्माण ईकाई देहरादून को 7 करोड़ 82 लाख से अधिक धनराशि का भुगतान किया जा चुका है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि इस वर्ष भी चारधाम यात्रा पर बड़ी संख्या में यात्रियों के आने की संभावना है। यात्रियों को लम्बी कतारों में अधिक समय व प्रतीक्षा न करनी पड़े, इसके लिए इस बार भी चारधाम यात्रा में धामों के दर्शन के लिए टोकन की व्यवस्था की गई है। श्री महाराज ने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती

संख्या की संभावना को देखते हुए परिवहन विभाग ने ऋषिकेश में दो हजार बसों, हरिद्वार में 600 और हर्बटपुर में 100 बसों की व्यवस्था की है।

अपर सचिव भ्रमण

आयुष एवं आयुष शिक्षा व राजस्व विभाग के अपर सचिव विजय कुमार जोगदंडे ने टिहरी जिले में थौलधार ब्लॉक की ग्राम पंचायत कैंछू का भ्रमण कर वहां संचालित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने गांव में कार्यरत दो स्वयं सहायता समूह के कार्यों की सराहना करते हुए और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ग्राम पंचायत राजीव गांधी सेवा केंद्र दीनदयाल उपाध्याय मिनी सचिवालय में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और ग्रामीणों को केन्द्र व राज्य सरकार की संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी ली। श्री जोगदंडे ने कहा कि शासन के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में शासन स्तर के अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए इस तरह की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य बबीता महर ने बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में अपर सचिव ने ग्रामीणों की समस्या सुनी और उनके निराकरण के बारे में ग्रामीणों के सुझाव लिए। पूर्व प्रधान पवन रावत ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और खाद्य आपूर्ति से संबंधित अनेक समस्याओं का समाधान किया गया।

गंगोत्री धाम रंगरोगन

आगामी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर गंगोत्री धाम के कपाट खुलेंगे। इसके लिए धाम को सजाया जा रहा है। मंदिर में रंगरोगन कराया जा रहा है। मुख्य गेट और स्नान घाटों के रास्तों का पुनर्निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस बार अधिक यात्रियों के आने की संभावना जताई जा रही है। पांच मंदिर समिति के उपाध्यक्ष अरुण सेमवाल ने बताया कि मंदिर में रंग रोगन के अलावा गंगा घाट से मंदिर और मुख्य द्वार को फूल मालाओं से सजाया जाएगा। वहीं मंदिर के रंग–रोगन के साथ ही व्यापारी भी अपनी दुकानों को सजाने में पूरे उत्साह से जुटे हुए हैं।

महिला खिलाड़ी चयन

बागेश्वर जिले की दो महिला खिलाड़ियों का चयन 18वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला सर्किल कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता आज से हरियाणा के चरखी दादरी में आयोजित की जा रही है। चयनित खिलाड़ियों में गरुड़ ब्लॉक के पुरड़ा गांव की प्रियंका थायत और कपकोट ब्लॉक के सोराग गांव की भावना दानू शामिल हैं। इन दोनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ जिले का, बल्कि पूरे उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। टीम में बागेश्वर जिले से ही कोच गौरव उपाध्याय और टीम मैनेजर निशा खेतवाल को भी जिम्मेदारी दी गई है, जिससे जिले का प्रतिनिधित्व और भी मजबूत हो गया है। इस उपलब्धि पर जिलेभर में हर्ष का माहौल है। खेल जगत से जुड़ी इस सफलता ने जिले की अन्य प्रतिभाओं को भी प्रेरणा दी है। उम्मीद है कि राष्ट्रीय स्तर पर ये खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर जिले और राज्य का नाम और ऊंचा करेंगी।

ओलावृष्टि फसल नुकसान

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में कल ओलावृष्टि और बारिश से किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा है। उत्तरकाशी जिले में भारी बारिश और ओलावृष्टि से जगह–जगह खेतों में पानी भरने से गेहूं, आलू के साथ सेब की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों ने स्थानीय प्रशासन से मुआवजा देने की मांग की। भटवाड़ी क्षेत्र में जमकर बारिश हुई। साथ ही ओलावृष्टि होने से गेहूं, आलू सहित अन्य फसलों को नुकसान हुआ। वहीं कल शाम स्योरी फल पट्टी, भाटिया गांव और धारी कफनौल क्षेत्र में सेब की फसल को नुकसान पहुंचा है। ओलावृष्टि और तेज हवा से सेब के पेड़ों पर निकले फूल और पत्तियां झड़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्योरी फल पट्टी और भाटिया गांव के बगीचों में सेब की फसल को भारी नुकसान हुआ है। ओलों और अंधड़ से फूल झड़ गए हैं, जिसका असर उत्पादन पर पड़ेगा। काश्तकारों ने स्थानीय प्रशासन से फलपट्टी के मुआवजे की मांग की है। उधर, बागेश्वर जिले के कपकोट तहसील क्षेत्र में कल शाम ग्राम पोथिग और तोली में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें कुल 15 बकरियों की मृत्यु हो गई। वहीं, संबंधित अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर क्षति का आकलन शुरू किया और प्रभावितों को शीघ्र सहायता राशि प्रदान किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। तेज बारिश और आंधी–तूफान से न केवल मवेशियों की जान गई, बल्कि जिले के कई क्षेत्रों में फल, सब्जी और खेतों की फसलों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है।

मौसम

मौसम विभाग ने आज और कल राज्य के अधिकांश हिस्सों में गरज–चमक के साथ बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं की संभावना जताई है। विभाग ने चेतावनी दी है कि इस दौरान कई जगहों पर तेज बारिश के साथ बिजली गिरने और ओले पड़ने की संभावना है। साथ ही 50 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। खराब मौसम से कच्चे और कमजोर मकानों को नुकसान पहुंच सकता है, पेड़ गिर सकते हैं, खुले में खड़े वाहन क्षतिग्रस्त हो सकते हैं और खेतों में खड़ी या कटी फसलें प्रभावित हो सकती हैं। लोगों को सलाह दी गई है कि वे इस दौरान सुरक्षित पक्के मकानों में रहें, बिजली से जुड़े उपकरणों से दूर रहें और मवेशियों को खुले में न बांधें। साथ ही खेतों में रखी उपज को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दें।